आय के विभिन्न चक्रीय प्रवाह

परिवार फर्मों को सेवाएं प्रदान करते है और फर्मों परिवारों को वस्तुएँ प्रदान करती है। जिनका प्रवाह निरन्तर चलता रहता है। इसी को ही आय का चक्रीय या **वास्तविक प्रवाह** कहते है। जो कभी समाप्त नहीं होता है।

एक मौद्रिक अर्थव्यवस्था में, परिवारों एवं व्यावसायिक फर्मों के बीच मुद्रा द्वारा लेन–देन होता है। उसे **मौद्रिक प्रवाह कहते है।** परिवार के द्वारा आर्थिक संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, पूँजी, साहस आदि की आपूर्ति व्यावसायिक फर्मों को की जाती है। एक व्यावसायिक फर्में उत्पादन के विभिन्न साधनों के सहयोग से ही विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करती है। इन वस्तुओं तथा सेवाओं की माँग परिवार क्षेत्र द्वारा की जाती है। परिवार क्षेत्र इन वस्तुओं व सेवाओं का क्रय अपनी मौद्रिक आय से करते है।

1. आय के चक्रीय प्रवाह का द्विक्षेत्रीय मॉडल
2. आय के चक्रीय प्रवाह का तीन क्षेत्रीय मॉडल
3. आय के चक्रीय प्रवाह का चार क्षेत्रीय मॉडल

1. **आय के चक्रीय प्रवाह का द्विक्षेत्रीय मॉडल** – आय के चक्रीय प्रवाह का दो क्षेत्रीय मॉडल में अर्थव्यवस्था में केवल दो क्षेत्रों परिवार तथा फर्म के बीच होने वाले चक्रीय प्रवाहों या मौद्रिक प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। इसमें केवल दो क्षेत्र होते है। परिवार उत्पादन के क्षेत्र(फार्म) को अपनी सेवाऐं प्रदान करता है और उत्पादक क्षेत्र द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं का उपभोग करता है। उत्पादक क्षेत्र वस्तुओं एवं सेवाओं को उत्पन्न करता है। यह क्षेत्र उत्पादन के साधनों को प्रतिफल देता है। इसका प्रयोग एक बंद अर्थव्यवस्था में होता है। सरकार का आर्थिक क्रियाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

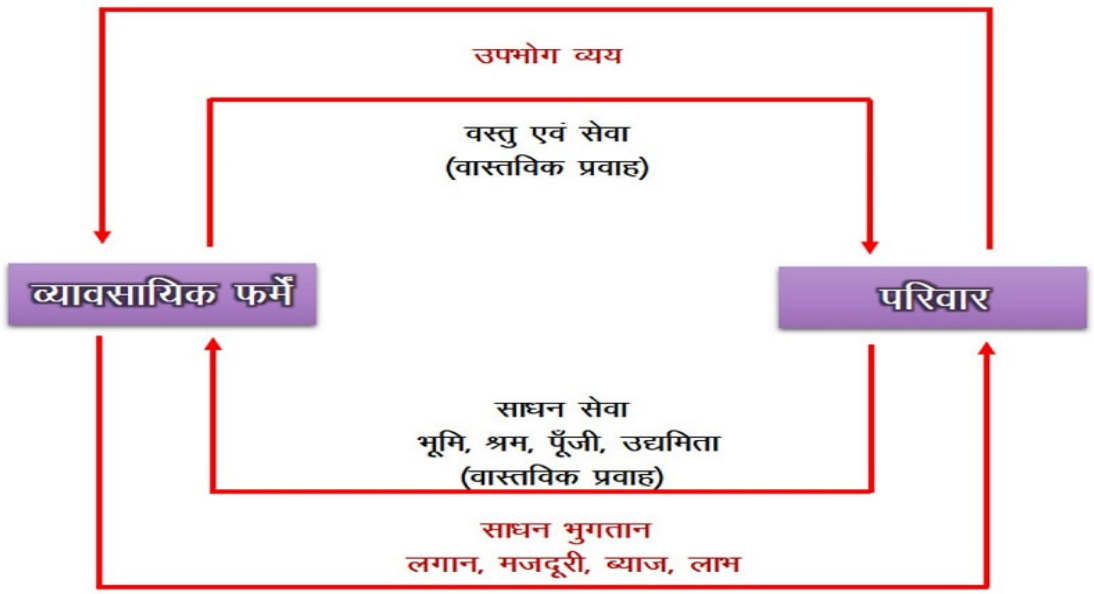

Dr. D.K. Gupta

2– आय के चक्रीय प्रवाह का तीन क्षेत्रीय मॉडल – आय के चक्रीय प्रवाह का तीन क्षेत्रीय मॉडल में तीन क्षेत्र होते है। **परिवार, फर्म और सरकार** इस मॉडल में सरकार के क्रियाकलाप भी आय के प्रवाह को प्रभावित करते है। सरकार के क्रियाकलापों को दो भागों में बाँटा जा सकता है। सरकारी राजस्व–इसमें सरकार विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त करती है। जैसे करों, सरकारी उपक्रप आदि।

सरकारी व्यय–इसमें सरकार करों से प्राप्त आय को विभिन्न प्रकार से व्यय करती है जैसे सरकारी प्रशायन व्यय, वेतन तथा भत्ते, पेंशन, फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का क्रय, वृद्धावस्था तथा विकलांग पेंशन, बेरोजागरी भत्ता, अनुदान या आर्थिक सहायता आदि।

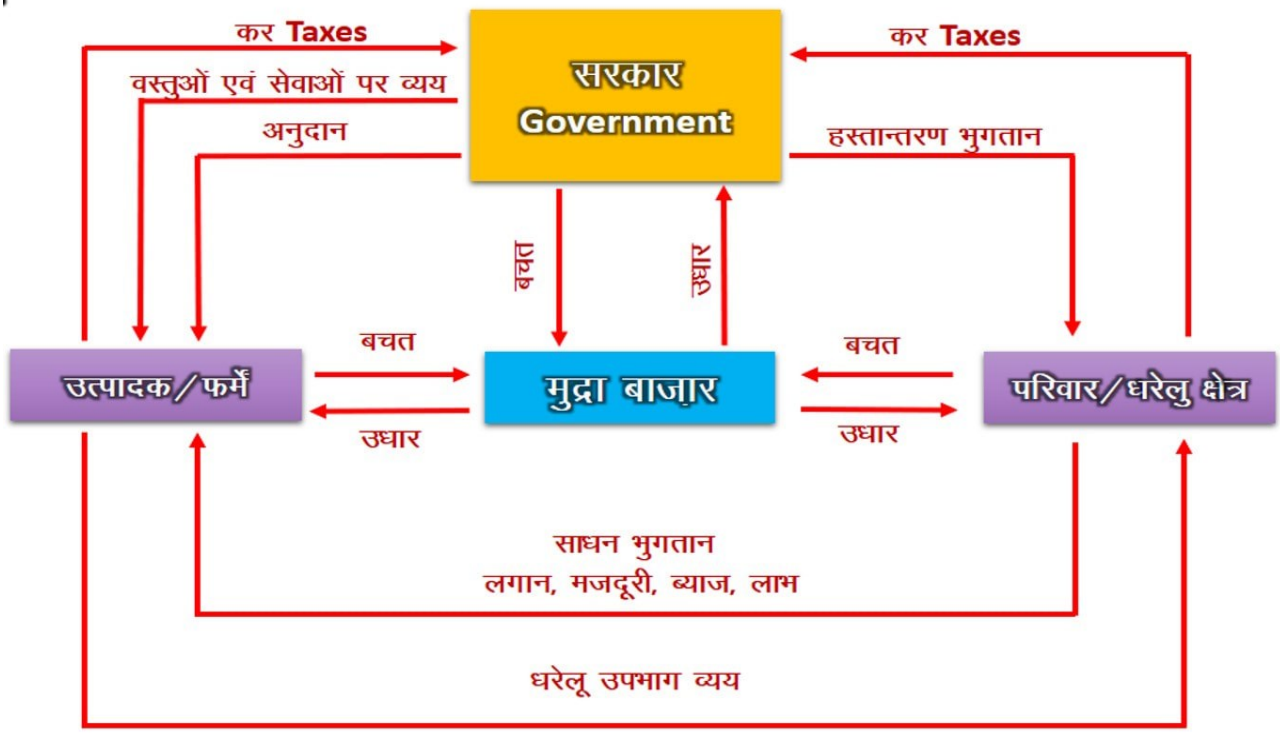

3. **आय के चक्रीय प्रवाह का चार क्षेत्रीय मॉडल** – में चार क्षेत्र होते है। **परिवार तथा व्यावसायिक फर्में, सरकार, शेष विश्व क्षेत्र और पूँजी बाजार।** यह क्षेत्रीय मॉडल खुली अर्थव्यवस्था को प्रदर्शित करता है। इसमें विदेशी क्षेत्र या शेष विश्व क्षेत्र को भी सम्मिलित किया जाता है। इसमें पुरे विश्व के साथ वस्तुओं का आयात तथा निर्यात होता है। इसमें एक अर्थव्यवस्था का शेष विश्व की और मुद्रा का प्रवाह होता है। शेष विश्व क्षेत्र के समावेश होने पर आयात व निर्यात का भी आय के चक्रीय प्रवाह पर प्रभाव पड़ता है।

चार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के चक्रीय प्रवाह में संतुलन की शर्त इस प्रकार है। $Y = C+I+G(X-M)$

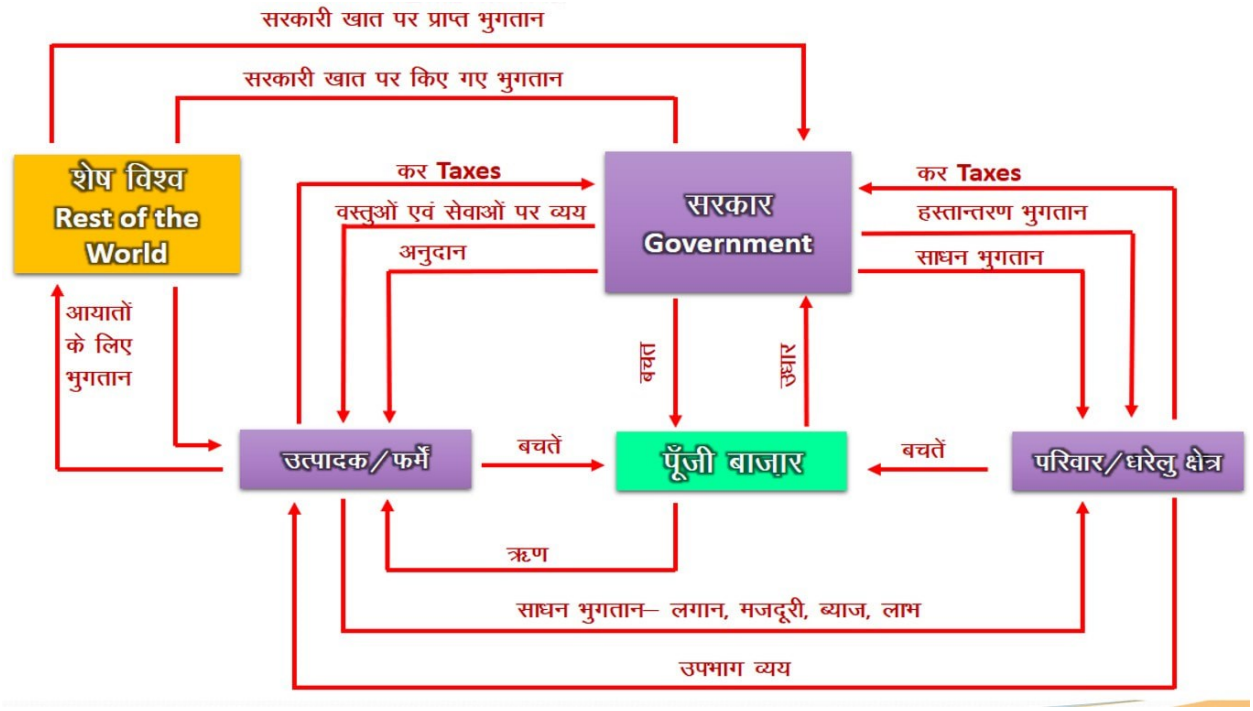
सरकारी खात पर प्राप्त भुगतान
सरकारी खात पर किए गए भुगतान
शेष विश्व
Rest of the World
कर Taxes
वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यय
अनुदान
सरकार
Government
कर Taxes
हस्तान्तरण भुगतान
साधन भुगतान
आयातों के लिए भुगतान
बचत
उधार
उत्पादक/फर्में
बचतें
पूँजी बाज़ार
बचतें
परिवार/घरेलु क्षेत्र
ऋण
साधन भुगतान– लगान, मजदूरी, ब्याज, लाभ
उपभाग व्यय